प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली: 20 जनवरी 2022

विकास समूह से निशानेबाज नवीन और तीरंदाज रिधि के लिए सहायता मिशन ओलम्पिक सेल की स्वीकृतियां

नई दिल्ली, 20 जनवरी: 20 वर्षीय पिस्टल निशानेबाज नवीन और 17 वर्षीय रिकर्व तीरंदाज रिद्धि, दो विकास समूह के एथलीटों की सहायता के लिए इस साल के एशियाई खेलों और अन्य प्रतियोगिताओं की तैयारी हेतु युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने मिशन ओलम्पिक सेल के लक्ष्य ओलम्पिक पोडियम योजना से 6.56 लाख रूपए के प्रस्ताव को आज मंजूरी दी।

मि.ओ.से. ने नवीन को जिन्होंने आईएसएसएफ विश्व जूनियर निशानेबाजी चैंपियनशिप, पेरू में 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहे उनको 4.14 लाख रुपए देने की स्वीकृति दी। यह अनुदान उन्हें स्टेयर ईवीओ 10 ई पिस्टल और स्कैट एमएक्स-डब्ल्यू 2 वायरलेस ऑप्टिकल सेंसर उपस्कर सुरक्षित करने में सक्षम बनाएगा।

पिछले नवंबर में ढाका के एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक प्राप्त भारतीय महिला टीम की रिद्धि को उसके धनुष और X 10 तीर के लिए होयट फॉर्मूला वेलोस लिम्ब्स की खरीद के लिए 2.42 लाख रुपए की मंजूर की गई थी। सितंबर में अमेरिका के यांकटन में जापान के विश्व नंबर 29 के टोमोमी सुगिमोटो के खिलाफ कड़ा संघर्ष करते हुए रिधि की नजर उस पर पड़ी।

मि.ओ.से. ने पैरा शूटर मनीष नरवाल के गोला-बारूद खरीदने और उनके द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता प्रशिक्षक जे पी नौटियाल के आवास और भोजन खर्चा प्रस्ताव को भी अनुसमर्थित स्वीकृति दी। यह प्रस्ताव लगभग 4 लाख रुपये का था।

मंत्रालय मुख्यत: प्रत्येक राष्ट्रीय खेल संघ के प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के लिए वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) के तहत विशिष्ट एथलीटों का समर्थन करता है। टॉप्स उन क्षेत्रों में एथलीटों को स्वनिर्धारित सहायता प्रदान करता है जो एसीटीसी के अंतर्गत नहीं आते हैं और एथलीटों की अप्रत्याशित जरूरतों को पूरा करते हैं क्योंकि वे ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने की तैयारी करते हैं।

पिछले महीने में, 1 से 10 जनवरी तक हैदराबाद में राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट के बाद, मि.ओ.से. ने रिकर्व तीरंदाजों दीपिका कुमारी और अतनु दास के लिए टॉप्स सहायता की समीक्षा करने का निर्णय लिया था। स्पर्धा में उनके नीचे के बराबर स्तर के प्रदर्शन को देखते हुए, मि.ओ.से. ने उन्हें अभी टॉप्स सूची में शामिल नहीं करने का निर्णय लिया है।

पिछले डेढ़ दशक से देश में तीरंदाजी के प्रोफाइल को ऊंचा उठाने में उनके अपार योगदान को ध्यान देते हुए, मि.ओ.से. के सदस्य, भाखेप्रा के अधिकारियों और भारतीय तीरंदाजी संघ के अधिकारियों ने विचार विमर्श किया और निर्णय उनको साझा किया।

दीपिका कुमारी ने कहा "मैं इस बात को सराहना करती हूं कि भाखेप्रा के अधिकारियों ने मुझे मि.ओ.से. की बैठक से पहले ही सूचित कर दिया था कि मुझे टॉप योजना से बाहर किए जाने की संभावना है। मुझे आने वाली प्रतियोगिताओं में अच्छे स्कोर प्राप्त करके वापसी आने के लिए प्रेरित किया जाएगा। "

अतनु दास ने उनके विचारों का समर्थन करते हुए कहा "हम बहुत परेशान थे कि हम ओलंपिक खेलों रहना चाहा, हम परिणाम खेलों में प्राप्त नहीं कर सके। ओलंपिक खेलों के बाद हम प्रतिस्पर्धी तीरंदाजी से ब्रेक ले लिया। उन्होंने कहा मुझे मालूम है कि यह समय की बात है और हम अपनी जगह हासिल करके हम उसी स्थान पर वापस आ जाएंगे।

ईओएम